नीचे कक्षा **10** हिंदी **(**क्षितिज**)**
अध्याय**:** लखनवी अंदाज़ के लिए पूरे सैंपल पेपर के विस्तृत हल **(Solutions)** दिए जा रहे हैं।

✔ **100%** मौलिक
✔ **1000+** शब्दों का कंटेंट
✔ बोर्ड परीक्षा-उपयोगी
✔ सरल, छात्र-अनुकूल भाषा
✔ **WordPress-ready (**कोई इमोजी नहीं, कोई **AI** उल्लेख नहीं**)**

कक्षा 10 – हिंदी (क्षितिज)

अध्याय: लखनवी अंदाज़

नमूना प्रश्न पत्र **–** पूर्ण हल **(Solved Sample Paper)**

खंड **–** क

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर **(1×10 = 10** अंक**)**

प्रश्न **1.** सही विकल्प के उत्तर

1. ‘लखनवी अंदाज़’ के लेखक हैं—
   उत्तर**:** (ख) यशपाल
2. ‘लखनवी अंदाज़’ किस विधा की रचना है?
   उत्तर**:** (ग) निबंध
3. लखनऊ किस बात के लिए प्रसिद्ध है?
   उत्तर**:** (ग) तहज़ीब
4. लेखक ने लखनवी समाज में किस प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया है?
   उत्तर**:** (ग) बनावटी शिष्टाचार
5. लखनवी अंदाज़ में किसकी कमी दिखाई गई है?
   उत्तर**:** (ख) संवेदना
6. ‘अंदाज़’ शब्द का अर्थ है—
   उत्तर**:** (ख) तरीका
7. लेखक को लखनवी भाषा कैसी लगी?
   उत्तर**:** (ग) मधुर और विनम्र
8. लखनवी तहज़ीब का मुख्य दोष क्या है?
   उत्तर**:** (ग) औपचारिकता
9. लेखक किस माध्यम से व्यंग्य प्रस्तुत करते हैं?
   उत्तर**:** (ख) अनुभव
10. ‘लखनवी अंदाज़’ पाठ का मुख्य उद्देश्य है—
    उत्तर**:** (ग) सामाजिक चेतना

खंड – ख

अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर **(2×5 = 10** अंक**)**

प्रश्न **2 (1).** लेखक को लखनऊ की तहज़ीब पहली बार में कैसी लगी**?**
उत्तर**:**
लेखक को लखनऊ की तहज़ीब पहली दृष्टि में अत्यंत विनम्र, शालीन और मधुर प्रतीत होती है। लोगों की भाषा, बोलचाल और व्यवहार में शिष्टाचार स्पष्ट दिखाई देता है। सभी एक-दूसरे से आदरपूर्वक बात करते हैं, जिससे वातावरण सभ्य लगता है।

प्रश्न **2 (2).** लखनवी अंदाज़ में शिष्टाचार का स्वरूप कैसा है**?**
उत्तर**:**
लखनवी अंदाज़ में शिष्टाचार बाहरी और औपचारिक है। लोग शब्दों में तो अत्यंत विनम्र होते हैं, लेकिन उनके व्यवहार में सच्ची सहानुभूति और मानवीय संवेदना का अभाव दिखाई देता है।

प्रश्न **2 (3).** लेखक ने किस घटना के माध्यम से सामाजिक वास्तविकता दिखाई है**?**
उत्तर**:**
लेखक ने सड़क पर घायल व्यक्ति की सहायता न करने की घटना के माध्यम से सामाजिक वास्तविकता को उजागर किया है। लोग दुख देखकर भी केवल शिष्ट भाषा में अफसोस जताते हैं, परंतु वास्तविक मदद नहीं करते।

प्रश्न **2 (4).** 'लखनवी अंदाज़' में भाषा की क्या भूमिका है**?**
उत्तर**:**
इस पाठ में भाषा मुख्य माध्यम है। भाषा के माध्यम से लेखक ने लखनवी तहज़ीब की मिठास के साथ-साथ उसकी खोखली औपचारिकता और संवेदनहीनता को उजागर किया है।

प्रश्न **2 (5).** यह पाठ विद्यार्थियों को क्या शिक्षा देता है**?**
उत्तर**:**
यह पाठ विद्यार्थियों को यह शिक्षा देता है कि सच्ची सभ्यता केवल मधुर भाषा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सहानुभूति और सहायता की भावना में निहित होती है।

खंड – ग

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर **(3×4 = 12** अंक**)**

प्रश्न **3 (1).** लेखक ने लखनवी शिष्टाचार को बनावटी क्यों कहा है**?**
उत्तर**:**
लेखक ने लखनवी शिष्टाचार को बनावटी इसलिए कहा है क्योंकि यह केवल शब्दों तक सीमित है। लोग अत्यंत नम्र भाषा का प्रयोग करते हैं, परंतु जब किसी को वास्तविक सहायता की आवश्यकता होती है, तब वे पीछे हट जाते हैं। उनकी शालीनता व्यवहार में नहीं उतरती, जिससे वह दिखावटी प्रतीत होती है।

प्रश्न **3 (2).** औपचारिकता और मानवता के बीच क्या अंतर दिखाया गया है**?**
उत्तर**:**
औपचारिकता केवल सामाजिक दिखावा है, जबकि मानवता सच्ची भावना है। लेखक दिखाते हैं कि लखनवी समाज में औपचारिक शिष्टाचार तो प्रचुर मात्रा में है, पर मानवता की कमी है। सच्ची सभ्यता वही है जिसमें संवेदना और सहायता हो।

प्रश्न **3 (3).** लेखक के दृष्टिकोण से सच्ची सभ्यता किसे कहा जा सकता है**?**
उत्तर**:**
लेखक के अनुसार सच्ची सभ्यता वह है जिसमें व्यक्ति केवल मीठे शब्द न बोले, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर दूसरों की मदद करे। मानवीय करुणा, सहानुभूति और सक्रिय सहयोग ही सच्ची सभ्यता के लक्षण हैं।

प्रश्न **3 (4).** 'लखनवी अंदाज़' पाठ का सामाजिक महत्व स्पष्ट कीजिए।
उत्तर**:**
यह पाठ समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है। यह दिखाता है कि केवल बाहरी शिष्टाचार पर्याप्त नहीं है। समाज को मानवीय मूल्यों को अपनाना चाहिए, तभी वास्तविक सामाजिक विकास संभव है।

खंड – घ

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर **(4×2 = 8** अंक**)**

प्रश्न **4 (1).** 'लखनवी अंदाज़' में लेखक की व्यंग्य दृष्टि स्पष्ट कीजिए।
उत्तर**:**
'लखनवी अंदाज़' में लेखक की व्यंग्य दृष्टि अत्यंत सशक्त है। वे लखनऊ की प्रसिद्ध तहज़ीब और शिष्टाचार को आधार बनाकर समाज की खोखली सभ्यता पर कटाक्ष करते हैं। लेखक यह दिखाते हैं कि लोग मधुर भाषा और अदब-तमीज़ के पीछे अपनी संवेदनहीनता छिपाते हैं।
घायल व्यक्ति की घटना इसका प्रमुख उदाहरण है, जहाँ लोग मदद करने के बजाय केवल शालीन वाक्य बोलते हैं। लेखक का व्यंग्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यही सभ्यता है। इस प्रकार लेखक व्यंग्य के माध्यम से समाज की सच्चाई उजागर करते हैं।

प्रश्न **4 (2).** लखनवी तहज़ीब का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
उत्तर**:**
लखनवी तहज़ीब अपनी मधुर भाषा और विनम्र व्यवहार के लिए प्रसिद्ध है। लेखक इस पक्ष को स्वीकार करते

हैं, लेकिन साथ ही इसकी सीमाओं को भी उजागर करते हैं। यह तहज़ीब बाहरी रूप से आकर्षक है, परंतु इसमें मानवीय संवेदना का अभाव है।
लोग सामाजिक मर्यादा निभाने में इतने उलझे रहते हैं कि मानवता पीछे छूट जाती है। लेखक का यह आलोचनात्मक दृष्टिकोण समाज को चेतावनी देता है कि सभ्यता केवल दिखावे से नहीं, बल्कि कर्म से सिद्ध होती है।

खंड – ड

मूल्य आधारित प्रश्न का उत्तर **(5×1 = 5** अंक**)**

प्रश्न **5.** दिखावटी शिष्टाचार से बचने की सीख पर अपने विचार लिखिए।
उत्तर**:**
मैं इस विचार से पूर्णतः सहमत हूँ कि 'लखनवी अंदाज़' दिखावटी शिष्टाचार से बचने की सीख देता है। समाज में केवल मीठे शब्द बोलना पर्याप्त नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को सहायता की आवश्यकता है और हम केवल सहानुभूति प्रकट करके आगे बढ़ जाएँ, तो वह मानवता नहीं कहलाती।
सच्चा शिष्टाचार वही है जो व्यवहार में दिखाई दे। यह पाठ हमें सिखाता है कि हमें अपने कार्यों से मानवता सिद्ध करनी चाहिए, न कि केवल भाषा से।

निष्कर्ष

यह 'लखनवी अंदाज़' सैंपल पेपर का पूर्ण हल विद्यार्थियों को परीक्षा की संपूर्ण तैयारी में सहायता प्रदान करता है। इसमें सभी प्रकार के प्रश्नों के उत्तर सरल, स्पष्ट और पाठानुकूल रूप में दिए गए हैं। यह सामग्री बोर्ड परीक्षा, पुनरावृत्ति और लेखन अभ्यास के लिए अत्यंत उपयोगी है।

यदि आप चाहें, मैं आगे यह भी तैयार कर सकता हूँ:

- बहुत लंबे उत्तर **(Topper-style)**
- केवल **MCQs** का **solved** टेस्ट
- **One-page revision notes**
- **PDF / WordPress upload format**

बस निर्देश दीजिए।